पंजाब केसरी 30/11/2024

महिलाओं के खिलाफ हिंसा एवं बाल विवाह सामाजिक और राष्ट्रीय विकास में बाधा : डा. रोहित दत्त

जी.एम.एन. कॉलेज में महिलाओं के खिलाफ हिंसा और बाल विवाह के उन्मूलन पर हुई नारा लेखन प्रतियोगिता

अम्बाला, 29 नवम्बर (बलराम): छावनी के गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज के हिन्दी, पंजाबी और संस्कृत विभाग ने 'महिलाओं के खिलाफ हिंसा और बाल विवाह के उन्मूलन' जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दों पर जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रभावशाली नारों के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए।

जी.एम.एन. कॉलेज में महिलाओं के खिलाफ हिंसा और बाल विवाह के उन्मूलन पर हुई नारा लेखन प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। (देवदत्त)

इस अवसर पर प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा और बाल विवाह जैसे मुद्दे केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय विकास में भी बाधा हैं। हमें युवा पीढ़ी को शिक्षित और प्रेरित करना होगा, ताकि वे इन समस्याओं के समाधान में अपनी भूमिका निभा सकें। यह जागरुकता कार्यक्रम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कॉलेज द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक चेतना अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच जागरुकता बढ़ाना और उन्हें समाज के इन गंभीर मुद्दों को समझने और समाधान के प्रति प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम की संयोजिका डा. रितु गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा और बाल विवाह के उन्मूलन के लिए केवल कानून ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि हमें समाज के हर वर्ग को इन मुद्दों के प्रति संवेदनशील बनाना होगा। आज की युवा पीढ़ी बदलाव की वाहक बन सकती है और इस प्रतियोगिता का उद्देश्य उन्हीं में जागरुकता एवं संवेदनशीलता पैदा करना है। हिन्दी विभाग के प्राध्यापक डा. अनीश ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां न केवल विद्यार्थियों के लिए शिक्षाप्रद होती हैं, बल्कि समाज में जागरुकता फैलाने का प्रभावी माध्यम भी हैं। महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है और हमें मिलकर ऐसे प्रयास करने चाहिए।

प्रतियोगिता में छात्रों ने बड़े उत्साह और रचनात्मकता के साथ भाग लिया। उनके नारों में न केवल समस्या की गंभीरता झलक रही थी, बल्कि समाधान की दिशा में उनके विचार भी स्पष्ट थे। प्रतियोगिता के अंत में विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में डा. राजेंद्र देशवाल, डा. जसवीर कौर, प्रियंका बालदिया एवं 13 विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता की।